सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 314 | इंदौर, बुधवार 24 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. नई दिल्ली: संजय सिंह के सहयोगियों के घर ईडी की छापेमारी, सांसद बोले- इस हथकंडे के आगे न झुकेंगे और न रूकेंगे
2. Delhi Ordinance Row: राजीव गांधी से भारत रत्न वापसी का प्रस्ताव पास करने वाले केजरीवाल का साथ कैसे दे कांग्रेस
3. किश्तवाड़ में बड़ा हादसा: ढंगडेरू बांध के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त, सात लोगों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल
4. US: 'अमेरिका में हर कोई पीएम मोदी से मिलना चाहता है', क्यों आया व्हाइट हाउस की तरफ से ये बयान
5. Nitesh Pandey: नहीं रहे 'अनुपमा' एक्टर नीतीश पांडे, 51 की उम्र में अभिनेता ने ली अंतिम सांस
6. India-Australia: पीएम मोदी ने अल्बनीज के साथ की द्विपक्षीय वार्ता, विश्व कप के लिए भारत आने का दिया न्योता
7. Politics: दिल्ली के CM केजरीवाल आज उद्धव ठाकरे से करेंगे मुलाकात, केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन की मांग
8. राहुल की ट्रक यात्रा: रास्ते में ढाबों पर रुके, ड्राइवरों की सुनी समस्याएं, बहन के घर मिटाएंगे चुनावी थकान

वर्चस्व की लड़ाई, भाजपा के नेता आमने-सामने

सागर जिले से हैं तीन कैबिनेट मंत्री, आपस में चलती खींचतान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सागर जिले के भाजपा नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई तेज हो गई है। पार्टी के नेता दो खेमो में बंट गए हैं। एक का नेतृत्व लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव और परिवहन व राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कर रहे हैं तो दूसरा खेमा नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह के साथ है। मंगलवार को भार्गव और राजपूत के साथ सागर जिले के अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इन नेताओं ने दिग्गजों से शिकायत कर आरोप लगाया कि सागर जिले में उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। जिले का प्रशासन नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह के इशारे पर चल रहा है। हालांकि इस मसले पर दिग्गज नेता गोपाल भार्गव ने कहा कि संगठन और प्रशासन से जुड़े मसलों पर बातचीत करने गए थे। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हम सभी नेता एकजुट हैं। कहीं कोई विवाद की स्थिति नहीं है। भाजपा में इस तरह की राजनीति की परंपरा भी नहीं है। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में एकजुटता के साथ जीत का संकल्प लेने के तीन दिन बाद ही विवाद सामने आने लगे हैं।

मंत्री भार्गव और राजपूत बोले- हम सामूहिक इस्तीफा दे देंगे

दरअसल, सागर जिले से शिवराज सरकार में तीन मंत्री हैं। तीनों के बीच प्रशासन पर वर्चस्व को लेकर संघर्ष चलता रहता है। इसी बात को लेकर मंत्री भार्गव और राजपूत के नेतृत्व में सागर के विधायक शैलेंद्र जैन, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया और जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने भोपाल में मुख्यमंत्री और संगठन के बड़े नेताओं से मुलाकात की। विवाद के पीछे मुख्य वजह सागर और सुरखी विधानसभा क्षेत्र की सियासत बताई जाती है। सागर विधायक शैलेंद्र जैन को भय है कि उनकी टिकट काटी जा सकती है। वहीं सुरखी विधानसभा सीट से परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कांग्रेस प्रत्याशी के बतौर और भूपेंद्र सिंह भाजपा से आमने-सामने चुनाव लड़ चुके हैं। इन दिनों राजकुमार धनोरा सुरखी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की ओर से सक्रिय हैं। यही वजह कि सुरखी के नेताओं को लगता है कि ये भूपेंद्र सिंह समर्थक हैं।

"संगठन से जुड़े मुद्दे थे। कोर कमेटी की बैठक सभी नेताओं के साथ होना है, उसी ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है। अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के काम भी लंबित पड़े हैं। उन सभी विषयों को लेकर चर्चा हुई है। शिकवा-शिकायत जैसी कोई बात नहीं है।

- गौरव सिरोठिया जिलाध्यक्ष सागर, भाजपा मप्र

सीएम के सामने कहा- भूपेंद्र को समझाओ

मंगलवार को कैबिनेट बैठक के ठीक बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री व सीनियर नेता गोपाल भार्गव, राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधायक शैलेंद्र जैन, विधायक प्रदीप लारिया और सागर जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस मुलाकात में सभी ने नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह की जमकर शिकायत की। साथ ही कहा कि वे ऐसे लोगों को प्रश्रय दे रहे हैं, जो उनके विरोधी हैं। इसके अलावा सागर में बिना उनसे (भूपेंद्र) पूछे कोई काम नहीं हो रहा। छवि भी जानबूझकर खराब की जा रही है। सागर के हालात ठीक नहीं हैं। बातचीत के दौरान स्थिति यहां तक पहुंच गई कि भूपेंद्र सिंह से नाराज गुट ने मुख्यमंत्री को कह दिया कि यदि ऐसे ही हालात रहते हैं तो वे सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। करीब पौन घंटे तक मुख्यमंत्री ने तमाम मसलों पर भार्गव-राजपूत की बात सुनी। इस दौरान किसी को कक्ष में आने नहीं दिया गया। सीएम ने भरोसा दिया कि वे जल्द ही इस मसले पर बात करेंगे। नाराज गुट का कहना है कि लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं, पानी सिर के ऊपर गुजर गया। इसीलिए एक साथ जाकर सीएम से बात की गई है। नाराज गुट सीएम से मिलने के बाद भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद से भी मिला। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के पास भी गया। दबाव में काम कर रहे संगठन व कार्यकर्ताओं की जानकारी दी। साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था में भूपेंद्र सिंह की हर मामलों में दखलंदाजी की जानकारी दी। बुधवार को सभी लोग भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश से भी मिलेंगे। इनका कहना है कि जरूरत पड़ी तो वे दिल्ली तक भी जाएंगे।

थाने के चक्कर काट रहा मासूम

मैरिज गार्डन का गेट सिर पर गिरा, 30 टांके आए, पुलिस समझ नहीं पा रही कौन सी धारा में दर्ज करें केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शनिवार को आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश के दौरान 12 साल के सिर पर मैरिज गार्डन का स्वागत द्वार गिर गया। इससे उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई। डॉक्टरों ने 30 टांकें लगाकर उसकी जान बचाई। इलाज के बाद बच्चे के पिता थाने में शिकायत दर्ज करने के लिए द्वारकापुरी थाने ले गए।

घटना चार दिन पहले शनिवार की है। तब से आज तक पुलिस को ये नहीं सूझ रहा कि किस धारा में केस दर्ज किया जाए। सिर में टांके आने के बाद भी बच्चा पिता के साथ चार दिन से थाने के चक्कर काट रहा है। लेकिन पुलिस या तो किताबें खंगालती है या कहती है मैरिज गार्डन वाले को यहीं बुला लेते हैं। पुलिस इसे प्राकृतिक आपदा मान रही है पर केस दर्ज नहीं कर पा रही।

मामला द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में फूटी कोठी स्थित पुखराज मैरिज गार्डन का है। यहां शनिवार को 12 साल के राम उर्फ रूद्राक्ष योगी निवासी महालक्ष्मी परिसर फूटी कोठी से गुजर रहा था। तभी तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। तो वह मैरिज गार्डन के स्वागत द्वार के यहां बारिश से बचने के लिए खड़ा हो गया। तभी गेट गिरने लगा। उसे गिरते देख रुद्राक्ष ने तीन लोगों को बाहर निकाला लेकिन खुद घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग उसे नजदीक के महावीर अस्पताल ले गए। यहां उसे सिर और चेहरे पर 30 टांके आए।

● पुलिस से शिकायत करने गए तो कहा नगर निगम जाओ

इलाज कराने के अगले दिन रुद्राक्ष के पिता और मां उसे लेकर द्वारकापुरी थाने पहुंचे। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने यह कहते हुए टाल दिया कि वे इसकी शिकायत करने के लिए नगर निगम जाए। रविवार छुट्?टी होने के चलते नगर निगम का झोन 14 पर अधिकारी नहीं मिले। सोमवार को वह फिर नगर निगम पहुंचा तो नगर निगम अधिकारियों ने पुलिस केस होने की बात करते हुए उन्हें थाने जाने को कहा। इस बीच रुद्राक्ष के परिवार ने मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर कर दी।

● दो घंटे बैठाकर रखा

मंगलवार को रुद्राक्ष पिता के साथ थाने पहुंचे। एएसआई भंवरसिंह को केस दर्ज करने के लिए कहा। रुद्राक्ष के पिता ने कहा कि टीआई के जाने के बाद एएसआई ने कहा पहले पुखराज पैलेस के मालिक को थाने बुलाएंगे। उसके बाद केस दर्ज करेंगे। पहले भंवरसिंह ने कहा ये प्राकृतिक आपदा है। फिर धाराओं की किताबें लेकर बैठ गए। कई पन्ने पलटने के बाद कहा, टीआई से बात करने के बाद केस दर्ज करेंगे। यहां दो घंटे बैठने के बाद रुद्राक्ष फिर अपने घर आ गया।

मैरिज गार्डन मैनेजर ने कहा, बच्चा गेट के नीचे क्यों खड़ा हुआ

इस मामले में पुखराज पैलेस गार्डन के मैनेजर दवे ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा है। इस दिन कई पेड़ ओर शेड गिरे थे। गलती बच्चे की है। वह गेट के नजदीक जाकर क्यों खड़ा हुआ। यह कहते ही दवे ने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया।

बच्चे को बुलवाकर जांच करेंगे, केस दर्ज होगा

एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने कहा मामले की जांच की जाएगी। बच्चे को बुलाकर उससे घटनाक्रम समझेंगे। इसके बाद केस दर्ज किया जाएगा।

मानव के जीवन पर संकट पैदा होने पर केस बनता है

इस मामले में हाइकोर्ट एडवोकेट कृष्ण कुम्हार कुन्हारे ने बताया कि यह प्राकृतिक आपदा इसलिए नहीं कि यह गेट मानव द्वारा निर्मित है। इससे मानव जीवन पर संकट हो सकता था। संभवतः पुखराज पैलेस का गेट लापरवाही पूर्वक खड़ा किया था। इसलिये प्रकरण धारा 336, 337 के तहत दर्ज किया जाना चाहिए। कुछ दिन पहले झूलेलाल मंदिर में हुआ हादसा भी प्राकृतिक आपदा ही थी। लेकिन फिर भी कानून सलाहकारों की राय लेकर उसमें लापरवाही का केस दर्ज किया गया। ऐसे ही मामले में चंडीगढ़ के डीजीपी प्रवीण अंजन ओर उनकी पत्नी घायल हुए थे। तब भी पुलिस ने कार्रवाई की थी। इस मामले में गार्डन मालिक को भी आरोपी बनाया जा सकता है। नगर निगम को गार्डन मालिक पर अलग से केस दर्ज कराना चाहिए। नगर निगम गार्डन संचालक पर जुर्माना भी लगा सकता है।

होटल कारोबारी से ब्लैकमेंलिग का मामला

फर्जी डीएसपी के बाद पूर्व मेंनेजर सहित पांच साथी ओर पकड़े

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। झारखंड के खदान मालिक ओर इंदौर में होटल का कारोबार करने वाले व्यक्ति ने देवास के फर्जी डीएसपी अशोक तिवारी पर ढाई करोड़ रूपये मांगने ओर ब्लैकमेल करने के मामले में केस दर्ज कराया था। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने अब तक पांच आरोपियों को पकड़ा है। पकड़ाए आरोपियों में एक पूर्व होटल का मैनेजर है। उसने होटल में स्पाई कैमरा लगाकर पूरी साजिश रची थी। फिलहाल क्राइम ब्रांच आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने स्कीम नंबर 78 के होटल कारोबारी को अश्लील वीडियो भेजकर उससे ढाई करोड़ की मांग करने के मामले में देवास के फर्जी डीएसपी अशोक ओर उसके साथी को पकड़ा था। इस मामले में पुलिस ने पूर्व मैनेजर अंकित पटेल उसके साथी अनुराग,श्याम ओर योगेश व आशीष को पकड़ा है। अंकित को अपने मालिक के लेनदेन को लेकर पूरी जानकारी थी। उसे यह भी पता था कि होटल के कमरे में कई बार मालिक आकर अय्याशी करते है। इस दौरान इलेक्ट्रीक बोर्ड में उन्होंने कैमरा लगाकर कमरे के अंदर के अंतरग वीडियो कमल मेहरा के माध्यम से कैद करवाए थे। इसके बाद वीडियो भेजकर वह लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। क्राइम ब्रांच ने होटल के बोर्ड से कैमरा भी बरामद किया है। फिलहाल अंकित ने उसे कहां से खरीदा था। इस बारे में जानकारी निकाली जा रही है।

महू में बाघ ने फिर किया शिकार

बाड़े से दूर नदी किनारे मृत अवस्था में मिली गाय, मौके पर 2 चौकीदार किए तैनात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक बार फिर ग्राम मलेंडी में बाघ ने गाय का शिकार कर दिया। शिकार की खबर लगते ही ग्राम में दहशत का माहौल है। घटनास्थल पर वन विभाग ने 2 चौकीदार भी तैनात किए हैं, जो ग्रामीणों को शिकार वाले स्थान पर जाने नहीं दे रहे हैं।

तहसील क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से बाघ की मूवमेंट लगातार जारी है। कुछ दिन पहले बाघ ने एक गाय को शिकार बनाया था। वहीं सोमवार देर रात को फिर से बाघ ने एक का शिकार कर दिया। बाघ ने पूर्व में गाय का शिकार किया था, उससे इस बार दूरी केवल 1000 मीटर ही है। बाघ लगातार मवेशियों को शिकार कर रहा है, इससे महू तहसील के मलेंडी व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत है।

ग्राम मलेंडी में रहने वाले रमेश तोमर की गाय का शिकार हुआ है। रमेश ने बताया कि सुबह उठकर देखा तो गाय बाड़े में नहीं थी। फिर हमने आस-पास जाकर ढूंढा, तो गाय नदी किनारे मृत अवस्था में पड़ी थी। घटना की जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और शिकार वाले क्षेत्र के आसपास कैमरा भी लगाए हैं।

मंत्री उषा ठाकुर की दिग्विजयसिंह को चुनौती-महू से लड़िए चुनाव

● बोलीं- आइए, हम तैयार खड़े हैं; सिंधिया के सामने चुनाव लडऩा चाहते हैं पूर्व सीएम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मैं तो कहती हूं कि दिग्विजयसिंह को महू से चुनाव लडऩा चाहिए। हम तैयार खड़े हैं। आमंत्रण दे रही हूं। यह बात 23 मई को मप्र की संस्कृति मंत्री और महू से भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने इंदौर में कहकर सियासी हलचल मचा दी। दरअसल, उनकी यह प्रतिक्रिया उस वक्त आई है, जब दिग्विजयसिंह राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी के कहने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने चुनाव लडऩे की बात कह रहे हैं। सिंधिया की पारंपरिक सीट गुना-शिवपुरी है जबकि उषा ठाकुर दिग्विजयसिंह को मालवा बुलाकर महू से लडऩे का न्योता दे रही हैं।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने मैदान संभाला हुआ है। उषा ठाकुर का यह बयान उस वक्त आया है जबकि दिग्विजयसिंह इंदौर क्षेत्र में ही दौरे पर हैं। वे सांवेर सीट पर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने आए हुए हैं। इस सीट पर कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया समर्थक मंत्री तुलसीराम सिलावट विधायक हैं। दिग्विजय सिंह के इंदौर दौरे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मध्यप्रदेश की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि मैं दिग्विजय सिंह को आमंत्रित करती हूं कि आप महू से ही लड़ लीजिए। मेरा आमंत्रण उनको दीजिए की महू से चुनाव लडऩे आइए, फिर जब मंत्री ठाकुर से पूछा गया कि क्या वे दिग्विजय सिंह को सीधी चुनौती दे रही हैं तो वे बोली- मैं उन्हें चुनौती नहीं दे रही हूं। भारतीय जनता पार्टी की सेवा, भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति, हमारी जन कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर हम पूरी कांग्रेस को चुनौती देते हैं कि आओ मैदान में हम तैयार खड़े हैं।

पार्टी में बगावत के सुर उठने पर ये बोलीं संस्कृति मंत्री

वहीं बीजेपी के नाराज कार्यकर्ताओं के सवाल को लेकर मंत्री ठाकुर ने कहा कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी की वजह से कर्नाटक चुनाव नहीं हारे हैं। आप विश्लेषण करेंगे तो देखेंगे कि हमारा जितना वोट था वो हमें मिला है। कहीं हम हारे नहीं है। रही हमारी घर-परिवार की राजी-नाराजी की बात तो जब संयुक्त परिवार होता है। बड़ा परिवार होता है, तो ये सब चलता रहता है। मतभेद हमारे बीच में न था, न है और न होगा। टिकट मांगना सबका अधिकार है। सबने मांगा। जिसको मिला, सभी ने मिलकर उसको जिताया।

लक्ष्मणसिंह कर चुके हैं भाई के चुनाव लडने से इंकार

हालांकि, यह साफ नहीं है कि दिग्विजय सिंह चुनाव लड़ेंगे भी या नहीं। इसकी वजह बताते हुए उनके भाई लक्ष्मणसिंह कह चुके हैं कि न तो सिंधिया चुनाव लड़ेंगे, न दिग्विजयसिंह। इस पर बात करते हुए उन्होंने हाल ही में इंदौर में कहा था कि ज्योतिरादित्य सिंधिया इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। वे राज्यसभा सदस्य हैं। दिग्विजयसिंह से भी मुझे लगता है कि चुनाव नहीं लड़ेंगे।

पंचायत मंत्री भी दिग्विजय सिंह पर दे चुके हैं बयान

दिग्विजयसिंह के चुनाव लडऩे के बयान के बाद सिंधिया समर्थक पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया भी बयान दे चुके हैं। उन्होंने एक दिन पहले मुरैना में कहा था कि दिग्विजयसिंह यदि गुना से चुनाव लडऩा चाहते हैं तो हम स्वागत करेंगे और हराकर घर बैठा देंगे।

दिनभर धूप, शाम को मौसम का मिजाज ठंडा

सक्रिय होगा नया सिस्टम, नौतपा में होगी बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर शनिवार शाम से मौसम का मिजाज एक जैसा बना हुआ है। दिन में धूप, उमस और शाम 4 बजे से मिट्टी की सोंधी खुशबू वाली ठंडी हवा। मंगलवार को भी कमोबेश ऐसा ही नजारा था। सुबह से सूरज के तीखे तेवर नजर आए। दोपहर में तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया। शाम को 4 बजे के बाद से बादल छाने लगे। बिजली भी चमकने लगी। मौसम विभाग के मुताबिक हल्की वर्षा होने की संभावना है। सोमवार को भी दिन में सूरज की तपिश ने शहर वासियों को परेशान किया और दिन का पारा 39.3 डिग्री तक पहुंचा था। दिन में बादल छाए और पश्चिमी हवाएं 18 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चली। शाम के समय शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। एयरपोर्ट क्षेत्र में शाम को हल्की वर्षा हुई थी। मौसम विभाग की मानें तो 23 मई से एक और विक्षोभ प्रवेश कर जाएगा। इसकी वजह से बारिश और बादल नजर आएंगे। नौतपा में भी पारा 38 से 39 डिग्री के बीच ही रहने के आसार हैं। कुल बारिश की बात की जाए तो अब तक लगभग 2 इंच पानी बरस चुका है।

अहिल्याबाई की जयंती पर शहर में होगी इंदौर गौरव दिवस की धूम सात दिनों तक होंगे कई आयोजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अहिल्याबाई होलकर की जयंती शहर में गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी, जिन्होंने मालवा की सुबेदारी संभालते हुए देश भर में अपने सुशासन और सेवाकार्यों के जरिए लोकमाता का दर्जा प्राप्त किया। उस देवी के सम्मान में शहर में सात दिनों तक उत्सव मनाया जाएगा। इस उत्सव की शुरुआत 25 मई से होगी जो 31 मई तक जारी रहेगा।

मंगलवार को हुई इंदौर गौरव दिवस के लिए बैठक आयोजित हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि इस बार सात दिवसीय आयोजन और भी भव्य पैमाने पर मनाया जाएगा। हर दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। तीन दिनों तक शहर की सभी महत्वपूर्ण इमारत, फ्लाइओवर व चौराहों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। सात दिवसीय समारोह में इस बार पर्यावरण, खेल, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, साहित्य, रक्तदान शिविर, स्टार्टअप से जुड़े आयोजन होंगे। आयोजन के अंतिम दिन 31 मई को अहिल्याबाई की जयंती पर नेहरू स्टेडियम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में मंत्री तुलसी सिलावट, उषा ठाकुर, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर डा. इलैयाराजा टी, निगमायुक्त हर्षिका सिंह आदि उपस्थित थे।

इंद्रदेव ने भी किया सम्राट सैनिकों का स्वागत

बारिश के बीच शौर्य यात्रा में शामिल होने निकले

इंदौर। महाराणा प्रताप जयंती पर शहर में निकली अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की शौर्य यात्रा में शामिल होने उपयात्रा का आयोजन युवा राजपूत सम्राट सेना द्वारा किया गया। जब सेना युवा सैनिक उपयात्रा लेकर निकले तो बारिश के बीच भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ और सभी यह कहने लगे इन सैनिकों का स्वागत इंद्रदेव भी कर रहे हैं।

सम्राट सेना के अध्यक्ष गोविंदसिंह सिसोदिया ने बताया कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 483 वीं जयंती के अवसर पर विशाल शौर्य यात्रा में सम्राट सेना के सैनिक भी उपयात्रा के रूप में शामिल हुए। बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप गोशाला से निकली यह यात्रा कुशवाह नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंची तो जगह-जगह पर मंच लगाकर समाजजनों व जनप्रतिनिधियों ने बरसते पानी में पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सम्राट सैनिकों का उत्साह इसी से नजर आ रहा था कि बारिश के बीच भी वे जय श्रीराम और जय महाराणा प्रताप के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा के दौरान महाराणा प्रताप की वेशभूषा पहने राजेंद्रसिंह गौड़ सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर पूर्व पार्षद व सम्राट सेना संरक्षक संतोषसिंह गौर, सेना के पूर्व अध्यक्षद्वय महेंद्रसिंह निकुम डॉ. भरतसिंह राठौर सहित सम्राट सेना के पदाधिकारी, सदस्यगण सैनिक सहित बड़ी संख्या में समाजजन भी शामिल हुए।

जनता बदलाव चाहती है, मेहनत में नहीं रखें कमी- दिग्विजय सिंह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गणेश कालोनी स्थित संतोषी माता मंदिर के वार्षिकोत्सव के तहत हुए अनुष्ठान में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस नेता सत्यनारायण सलवाडिय़ा के परिवार से भी चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा कि यह उत्साह कम नहीं होना चाहिए और अपने विधानसभा क्षेत्रों में जीत के लिए जुट जाएं। मेहनत में कमी नहीं रखें। इस बार माहौल कांग्रेस के पक्ष में है और जनता बदलाव चाहती है। बदलाव की बयार शुरू हो गई है। पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामेश्वर नीखरा, पूर्व सेवादल अध्यक्ष महेंद्र जोशी, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, विधायक विशाल पटेल, पिंटू जोशी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कृपा शंकर शुक्ला भी उपस्थित थे।

बजरंग दल ने किया विरोध- पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा देवास में बजरंग दल के खिलाफ कही गई बात का शहर के बजरंग दल ने विरोध किया। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि वे समाज में पवित्र उद्देश्य के साथ कार्य करता हैं। ऐसे में दिग्विजय सिंह द्वारा बजरंग दल पर अमर्यादित टिप्पणी करना निंदनीय है। विहिप के प्रचार प्रमुख गन्नी चौकसे ने बताया कि देश का हिंदू समाज बजरंग दल के सेवा, सुरक्षा व संस्कार के समर्पित भाव से परिचित है।

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे www.detectivegroup.in पर
Whatsapp us on +91-91110 50101

अब दिसंबर 2022 तक की सभी कॉलोनियां वैध, सीएम शिवराज बोले- कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को अवैध कॉलोनियों का नियमितीकरण, अधोसंरचना विकास तथा भवन अनुज्ञा वितरण कार्यक्रम का आयोजन में बड़ी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अब दिसंबर 2022 तक की सभी अवैध कॉलोनियों वैध होगी। वहीं, उन्होंने कोई विकास शुल्क नहीं लेने की भी घोषणा की।

चुनावी साल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अवैध कॉलोनी में रहने वाले लाखों लोगों को साधने के लिए बड़ा एलान किया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिसंबर 2016 तक की कॉलोनियों को नियमित करने और उनके रहवासियों को भवन अनुज्ञा देने के कार्यक्रम में शामिल हुए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की तरफ से मुख्यमंत्री निवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिसंबर 2022 तक की सभी अवैध कॉलोनियों वैध होगी। हमें लोगों की जिंदगी बनानी है। यदि अब कोई अवैध कॉलोनी कटी तो उसके लिए अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह को संशोधन प्रस्ताव लाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कॉलोनियों में विकास शुल्क भी माफ होगा। भाजपा सरकार विकास करने वाली सरकार है। खरीदी बिक्री के लिए कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। बता दें दिसंबर 2016 तक 6077 अवैध कॉलोनी वैध होगी। वहीं, दिसंबर 2022 तक इसमें अब करीब ढाई हजार कॉलोनी और वैध हो जाएगी। इससे इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों को सुविधाएं मिलेगी।

अवैध कॉलोनी में होंगे विकास के काम

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अवैध कॉलोनी में नियमित कॉलोनी की तरह विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे जैसे पैसा आएगा अवैध कॉलोनी में बिजली, पानी, सीवेज, नाली, सड़क जैसे अधोसंचरना के काम होंगे। सीएम ने कहा कि हमें लोगों की जिंदगी को आसान बनाना है। इसलिए यह सारे काम शुरू करने के निर्देश दे रहा हूं।

यह होगा लोगों को फायदा

पूरे प्रदेश में अवैध कॉलोनी में अब भवन अनुज्ञा, अनुमति, बैंक लोन की पात्रता मिल जाएगी। अवैध कॉलोनी में पहले बैंक लोन की पात्रता नहीं थी। इन कॉलोनियों में नियमित योजनाओं जैसे अमृत योजना, सांसद-विधायक निधि से विकास के लिए राशि खर्च करने का प्रावधान होगा।

मकान के नक्शे होंगे स्वीकार

सीएम ने कहा कि अवैध कॉलोनी में अब मकान जैसे बने है, उनके नक्शे वैसे ही स्वीकार किए जाएंगे। हमें जनता को परेशान करने के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ना है। अब घर बनाने के बाद तोड़ना या कंपाउटिंग कराना ठीक नहीं होगा।

रहवासी संघ का गठन करें

सीएम ने अवैध कॉलोनियों में रहवासी संघ का गठन करने को कहा। उन्होंने कहा कि रहवासी संघ का गठन करें ताकि कॉलोनियों में सुविधाएं ठीक से देने में आसानी हो। उन्होंने कॉलोनियों को प्रदेश को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए स्वच्छता, सफाई के अभियान जुड़ने की भी अपील की।

हाथ ठेला, पथ विक्रेता की पंचायत होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम, नगर पालिका को अतिक्रमण दूर करने के लिए व्यवस्था बनाएं, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कोई बेरोजगार ना हो। गरीबों के ऊपर कोई जुर्म नहीं होना चाहिए। सब्जी बेचने, ठेला लगाने वाले की रोजी रोटी कमाने वाले के लिए व्यवस्था बनाएं। उन्होंने कहा कि दोनों में संतुलन बनाएं। व्यवस्था बनाने में ऐसा ना हो कि किसी का घर उजड़ जाएं। सीएम ने कहा कि अगले सोमवार हाथ ठेला, पथ विक्रेता के साथ पंचायत करेगे और उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

सरकार पांच रुपए में खाना खिलाएंगी

मुख्यमंत्री ने गरीबों के लिए पांच रुपए में भोजन की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीब की मजदूरी उसके भोजन पर ही खर्च हो जाती है। उन्होंने मंत्री भूपेंद्र सिंह को दीन दयाल रसोई योजना का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीबों को थोड़ा राहत दो। इतनी बढ़ी सरकार पांच रुपए में भोजन नहीं करा सकती। हमारे प्रदेश में कोई भूखा नहीं सोना चाहिए।

कमलनाथ पर सीएम ने साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कमलनाथ वाली सरकार नहीं है, जो गरीबों के पेट पर लात मारे। यह गरीबों का भविष्य बनाने वाली भाजपा सरकार है। शिवराज ने कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि आज वह कुछ नहीं है तो कह रहे है कि हम यह कर देंगे। सीएम ने कहा कि जब यह थे तो इन्होंने क्या किया। झूठे वादा करने वालों को जमीन दिखाना है।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दादी और पोते सहित तीन लोगों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर। सागर नेशनल हाइवे-44 पर ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दादी और पोते ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दादी-पोते और एक युवक सहित तीनों लोग ठाकुर मंदिर से दर्शन कर बाइक से लौट रहे थे, तभी बांदरी बाइपास के पास ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

ट्रक की टक्कर इतनी तेज थी, ट्रक के नीचे बाइक फंस गई। ड्राइवर ने ट्रक को रोका नहीं, बल्कि वह उसे कई मीटर तक घसीटते ले गया। ट्रक और बाइक के बीच फंसे प्रेम पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। डायल 100 ने बुरी तरह घायल दिव्यांश और मंझली बहू को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य कर्मियों का आंदोलन शुरू, काली पट्टी बांधकर कहा- मांगें न मानने पर 30 मई से कार्य बंद करेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। शहडोल जिले में स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी महासंघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिए हैं। महासंघ एवं नर्सिंग एसोसिएशन द्वारा अपनी जिन मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन मंगलवार से शुरू किया है, उसमें आज काली पट्टी बांधकर कार्य किए और कल यानी 24 मई को भी काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। उसके बाद 25 मई को महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया जाएगा।

इसके बाद 26 मई को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में महासंघ द्वारा कैबिनेट लगाई जाएगी, ताकि मध्यप्रदेश शासन एस्मा जैसी कार्रवाई न करे और हमारी हड़ताल को अवैद्य घोषित न कर सके। 27 मई 2023 को शासन को सतबुद्धि आए इसके लिए सुन्दरकाण्ड का पाठ किया जाएगा।

वहीं, 29 मई को मुख्यमंत्री को समस्त प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी दोबारा ज्ञापन देकर मांगों के निराकरण के लिए गुहार लगाएंगे। 30 मई से प्रदेश के डेढ़ लाख समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे।

नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन भी आया साथ...

स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी महासंघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है। उसमें अब नर्सिंग एसोसिएशन भी साथ देने आ गया है, जिसके परिपेक्ष में नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन जिला इकई शहडोल के सचिव मैरीना दास ने भी एसोसिएशन की ओर से अधिष्ठाता महोदय बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा एवं महाविद्यालय को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उल्लेखित किया गया है कि स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ द्वारा स्वास्थ्य कर्मचारियों की 41 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। इस आंदोलन में नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन भी शामिल हो गया है।

बागेश्वरधाम कथा को लेकर लगी याचिका खारिज

वकील ने की बहस, तो कोर्ट ने कहा... भूल जाओगे वकालत जिस दिन जेल भेजा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बागेश्वरधाम की कथा के खिलाफ लगी याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट में याचिकाकर्ता ने बताया था कि इस तरह की कथा करने से आदिवासी समाज में भेदभाव पैदा हो रहा है और समाज आहत हो रहा है। हाईकोर्ट में यह याचिका बालाघाट सर्व आदिवासी समाज की तरफ से दायर की गई थी। जस्टिस विवेक अग्रवाल की कोर्ट ने आधारहीन मानते हुए खारिज कर दी।

सर्व आदिवासी समाज की तरफ से कोर्ट में हाजिर हुए वकील ने कोर्ट में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए थे। कोर्ट ने जब याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि आप बताए कि कैसे बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा से आदिवासी समाज आहत होगा। इस पर याचिकाकर्ता के वकील जवाब नहीं दे पाए। इसको लेकर हाईकोर्ट ने फटकार लगाई और केस खारिज कर

दिया। याचिकाकर्ता के वकील ने जस्टिस से बहस भी की, जिस पर वो नाराज हो गए। दरअसल 22 मई को सर्व आदिवासी समाज की तरफ से अधिवक्ता जीएस उद्दे से जब कोर्ट ने सवाल पूछा की बालाघाट में अगर बागेश्वरधाम की कथा होती है तो क्या परेशानी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता जेपी उद्दे ने कोर्ट को बताया कि जिस जगह पंडित धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम होना है, वहां पर पहले से ही बड़ादेव भगवान स्थान हैं। वह आदिवासियों का आस्था का केंद्र है। इस पर जब जस्टिस विवेक अग्रवाल ने उनसे पूछा कि आप यह बताएं कि बड़ादेव स्थान की क्या मान्यता है और अगर वहां पर कथा होती है तो कैसे किसी की भावनाएं आहत होगी। पहले आप यह बताइए उसके बाद फिर आगे बात करते हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा कि उस स्थान की जगह कहीं और कार्यक्रम करवा दिया जाए, जिस पर कोर्ट ने वकील को फटकार लगाते हो कहा कि यह आप डिसाइड करेंगे कि कहां पर कार्यक्रम होना है और कहां पर नहीं। पहले आप यह बताइए कि उस स्थान की मान्यता क्या है और कैसे इस कार्यक्रम से कुठाराघात होगा। याचिकाकर्ता के वकील ने जस्टिस से कहा कि आप मेरी बात सुनने को ही तैयार नहीं है, जिस पर जस्टिस ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा की आपको कोर्ट में बहस करने का तरीका नहीं मालूम है। आप कब से वकालत कर रहे हैं, जिस पर वकील जीएस उद्दे का कहना था कि 2007-2008 से। कोर्ट ने कहा कि अगर आप इस तरह से बहस करेंगे तो क्या बहुत बड़ी टीआरपी कलेक्ट कर लेंगे। आप भूल जाते हो कि जिस दिन हमने जेल भेज दिया तो पूरी वकालत भूल जाओगे। कोर्ट ने कहा कि जितनी गर्मी आपने अपने केस को लेकर दिखाई है।

॥ — ॥
MORARI BAPU

कृष्ण प्रेम जिसको लेना हो उसको पात्रदान श्री वृषभानुजा करती हैं..... किशोरी जी करती हैं.... मुझे और आपको कौन पात्र देता है ?..... हमारा सद्गुरु ही देता है ....लेकिन उसको बिगाड़ते हैं हम .....

(मानस अक्षय तृतीया)

सत्य-प्रेम-करुणा...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

● रंजन मथाई

(अंग्रेज़ी:Ranjan Mathai; जन्म- 24 मई, 1952, तिरुवला, केरल) भारत के पूर्व 'भारतीय विदेश सचिव' हैं। उनके पिता थॉमस मथाई स्थानीय 'राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी' में शिक्षक पद पर तैनात थे। रंजन मथाई की माता का नाम सारा मथाई था। वे भी खडकवासला, पुणे में एक शिक्षिका थीं। श्री मथाई ने 'पूना विश्वविद्यालय' से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर पास किया था। इसके बाद वे 1974 में 'भारतीय विदेश सेवा' में सम्मिलित हुए। सन 1974 बैच के 'भारतीय विदेश सेवा' के अधिकारी रंजन मथाई का कार्यकाल 1 अगस्त, 2011 से 1 अगस्त 2013 तक रहा। उनका विचार है कि जनता की ग़रीबी, अशिक्षा, कृषि में पिछड़ापन और भ्रष्टाचार देश के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है।

संपादकीय

साइबर दुनिया में कई तरह के खतरे

यह सब जानते हैं कि लोगों के आम व्यवहार में इंटरनेट के शामिल होने का दायरा जैसे-जैसे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे साइबर दुनिया में कई तरह के खतरे भी बढ़ रहे हैं। लेकिन आधुनिकी तकनीकी के विकास के इस चरम दौर में भी निजता और अन्य इंटरनेट उपयोग को लेकर जोखिम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कायदे से सोशल मीडिया के मंचों का संचालन करने वाले समूहों से लेकर इस तरह के अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी थी कि वे आम लोगों की संवेदनशील जानकारियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। आधुनिक तकनीकी के विस्तार के साथ-साथ सूचना और संवाद के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका जगजाहिर है। आज हालत यह है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी इसके दायरे में है और किसी न किसी रूप में लोग ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया के मंचों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया मंचों पर बेफिक्र होकर वक्त गुजारने वाले लोगों की निजता बुरी तरह प्रभावित हो रही है और इन मंचों के संचालक ऐसी लापरवाहियों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद खुद में सुधार को लेकर गंभीर नहीं हैं। ताजा मामला सोशल मीडिया के मंच फेसबुक और वाट्सऐप का परिचालन करने वाली कंपनी मेटा से जुड़ा है, जिसमें उस पर निजता के नियमों के उल्लंघन का आरोप है। यूरोपीय संघ ने इस आरोप की पूरी पड़ताल के बाद मेटा को दोषी पाया और इस मामले में उस पर 1.3 अरब डालर का जुर्माना लगाया है। साथ ही यूरोपीय संघ ने उपयोगकर्ताओं से संबंधित किसी जानकारी को अमेरिका भेजे जाने पर भी रोक लगा दी। दरअसल, फेसबुक पर ऐसे आरोप लगाए गए थे कि वह उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी या डेटा आंग्ल-अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करती है और इसी की मदद से बड़े पैमाने पर लोगों की निगरानी की जाती है। लगभग पांच साल पहले यूरोपीय संघ में निजता के उल्लंघन से संबंधित सख्त कानून लागू होने के बाद किसी सोशल मीडिया मंच पर लगाया गया यह सबसे बड़ा जुर्माना है। इसी साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के डेटा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने की वजह से आयरलैंड ने मेटा पर 5.5 मिलियन यूरो का जुर्माना लगाया था। इससे पहले भी मेटा को निजता के नियमों का अनुपालन नहीं करने पर भारी जुर्माना देना पड़ा है। लेकिन इस तरह की सख्त कार्रवाइयों के बावजूद आम लोगों की निजता को भंग करने वाली जानकारी को मनमाने तरीके से किसी और को बेचे या भेजे जाने की प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। समय-समय पर हो रही इस तरह की कार्रवाइयों से यह साफ है कि सोशल मीडिया पर अलग-अलग मंचों का परिचालन करने वाली कंपनियां अपने उपयोगकर्ताओं की निजता की न केवल सुरक्षा नहीं कर पा रही हैं, बल्कि अपनी मनमर्जी से और लोगों को जानकारी दिए बिना उनसे संबंधित संवेदनशील सूचनाएं किसी तीसरे पक्ष को बेच देती हैं या किसी परोक्ष समझौते तहत भेजती हैं।

Quote...

"जीवन का रहन-सहन बिल्कुल सादा और अल्पव्ययी बना लेना चाहिए जिससे गरीब लोग अपनी गुजर कर सकें और अमीरों के आडम्बर को देख कर किसी को जलन न हो।

- पं. श्रीराम शर्मा आचार्य"

ज्ञान-विज्ञान

तपती गर्मी का मौसम आया! जानिए क्यों 'लाल होता आसमान'

60 करोड़ भारतीयों के लिए बन सकता है खतरा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने माना है कि अल-नीनो की वजह से भारतीय मॉनसून पर नकारात्मक असर पड़ेगा. यह सिस्टम जुलाई के महीने में सक्रिय होगा. उस समय मॉनसून का दूसरा हिस्सा चल रहा होगा. सिर्फ इतना ही नहीं, अल-नीनो की वजह से देश में गर्मी भी बढ़ी हुई है. कई जगहों पर पारा 45 डिग्री सेल्सियस या उसके आसपास पहुंच गया है.

मौसम विभाग का मानना है कि अगले महीने तक तापमान औसत से करीब डेढ़ डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा. इसका असर जुलाई के महीने पर भी पड़ेगा. तब भी तीखी गर्मी पड़ेगी. वैसे भी वैज्ञानिकों ने माना है कि साल 2100 तक 60 करोड़ भारतीयों के लिए गर्मी एक बड़ी मुसीबत है. बढ़ते तापमान से भारतीयों को निपटना नहीं आ रहा है.

क्योंकि अभी जो नीतियां बनी हुई हैं, उनकी बदौलत पृथ्वी पर मौजूद सभी इंसानों का पांचवें हिस्से की जान मुसीबत में आएगी. ये इस सदी के अंत तक हो जाएगा. वैज्ञानिकों ने बड़ी स्टडी के बाद यह खुलासा किया है. सबसे बुरी हालत भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया, फिलिपींस और इंडोनेशिया की होने वाली है. यहीं के लोगों की जान ज्यादा खतरे में है.

मौसम विभाग का मानना है कि भारत में इंडियन ओशन डाइपोल (IOD) सिस्टम बन रहा है, जो मॉनसून को कमजोर पड़ने से रोकेगा. इसलिए उम्मीद है कि मॉनसून सामान्य रहेगा. 1951 से अब तक अल-नीनो भारतीय मॉनसून के लिए 60 फीसदी फायदेमंद रहा है. भारत में जब भी अल-नीनो आया तब मॉनसून सामान्य रहा है.

भारत में 60 करोड़ लोग जूझ रहे हैं भयानक गर्मी से

इस समय भी भारत में 60 करोड़, नाइजीरिया में 30 करोड़, इंडोनेशिया में 10 करोड़, पाकिस्तान और फिलिपींस में 8-8 करोड़ लोग गर्मी से जूझ रहे हैं. साल 2100 तक जमीन की सतह का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की आशंका जताई गई है. इतनी गर्मी से कुल मिलाकर 200 करोड़ से ज्यादा लोगों की जान आफत में आने वाली है. यह स्टडी हाल ही में नेचर सस्टेनिबिलिटी में प्रकाशित हुई है.

यूनिवर्सिटी ऑफ एक्स्टर में ग्लोबल सिस्टम्स इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर टिम लेन्टन कहते हैं कि हमें धरती पर कुछ बड़े बदलाव करने होंगे. नहीं तो यहां रहने वाली बड़ी आबादी कायदे से जी नहीं पाएगी. गर्मी से मरना एक बुरी मौत होती है. किसी को इससे बचाना आसान है,

लेकिन गर्मी लगे ही क्यों? लोगों को इस मुसीबत से हमलोग मिलकर बचा सकते हैं.

पिछले 8 साल से लगातार तेजी से बढ़ रही है गर्मी

2015 में हुई पेरिस क्लाइमेट ट्रीटी के तहत साल 2100 तक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से आगे नहीं बढ़ने देना था. अगर तापमान बढ़ने की दर यह रही तो अगले छह-सात दशक में दुनिया की आबादी 950 करोड़ होगी. जिसमें से करीब 50 करोड़ लोग गर्मी से खत्म हो जाएंगे. पिछले आठ साल से लगातार गर्मी बढ़ रही है. हर साल पिछले वाले से ज्यादा गर्म होता है. पिछले आठ सालों में औसत तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है. जिसकी वजह से हीटवेव्स आ रही हैं. जंगलों में आग ज्यादा लग रही है. लेकिन इंसान जीवाश्म ईंधन को छोड़ने का नाम नहीं ले रहा है. जिससे कार्बन उत्सर्जन बंद नहीं हो रहा. इसलिए तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है.

0.1 डिग्री तापमान बढ़ेगा तो 14 करोड़ लोग होंगे दुखी

आज के समय में जितनी बार 0.1 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ेगा, उससे 14 करोड़ लोग प्रभावित होंगे. वह भी भयानक गर्मी का सामना करेंगे. अगर सालाना औसत तापमान 29 डिग्री सेल्सियस निकलता है, तो इसे डेंजरस हीट यानी खतरनाक गर्मी कहते हैं.

आप अगर इतिहास देखेंगे तो पता चलेगा कि इंसान हमेशा उन स्थानों पर घनी आबादी में रहती आई है, जहां पर 13 डिग्री सेल्सियस रहा हो. या फिर 27 डिग्री सेल्सियस या उससे कम तापमान रहा हो. लेकिन ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पूरी दुनिया का तापमान बदल रहा है. अब तो कई जगहों का औसत तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है.

40 साल पहले गर्मी के शिकार थे 1.20 करोड़, अब 200 करोड़

आझ से 40 साल पहले तक सिर्फ 1.20 करोड़ लोग ही इस तरह की गर्मी का सामना करते थे. लेकिन 40 साल के अंदर ही यह संख्या 200 करोड़ पहुंच चुकी है. भूमध्यरेखा यानी इक्वेटर लाइन के आसपास इंसानों की आबादी ज्यादा है. ऐसे इलाकों को उष्णकटिबंधीय बोलते हैं. यहां के जलवायु में बहुत ज्यादा बदलाव आ रहा है. ये ज्यादा जानलेवा होता जा रहा है. यहां तो कम तापमान और उच्च आद्रता की वजह से भी लोग मारे जा रहे हैं.

1979 के बाद से उच्च आद्रता वाली गर्मी की मात्रा दोगुनी हो गई है. विश्व बैंक के मुताबिक भारत का हर इंसान साल भर में दो टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन करता है. नाइजीरिया के लोग आधा टन. जबकि यूरोपीय देशों के लोग सात टन प्रतिवर्ष और अमेरिकी लोग 15 टन प्रतिवर्ष. कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का सरकारों का वादा और कंपनियों का इरादा अमली जामा पहनता नहीं दिख रहा है.

2027 से ही बढ़ने लगेगा औसत तापमान

सिर्फ चार साल और. यानी 2027 से पहले, पूरी दुनिया का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा. ये डरावना खुलासा विश्व मौसम विज्ञान संगठन (World Meteorological Organization - WMO) ने किया है. इसका मतलब ये नहीं है कि दुनिया का तापमान 2015 के पेरिस एग्रीमेंट के स्तर से ऊपर चला जाएगा. पर गर्मी बढ़ेगी.

Highlights

1. 19-yr-old India-origin man crashed truck near White House, says 'wanted to kill Biden'
2. Man survives after 7-ft-long steel bar goes through his chest & head in China
3. 52 killed in Karnataka during pre-monsoon rains: CM Siddaramaiah
4. PM Albanese assured strict action: PM Modi on attacks on temples in Australia
5. GQG makes nearly 8,000-cr profit on Adani stake in under 100 days
6. Vinesh Phogat playing role of 'Manthara': WFI chief Brij Bhushan

India's GDP tops $3.5 trillion in 2022, poised as fastest-growing G20 economy: Moody's

NEW DELHI, (Agency). India's GDP has crossed USD 3.5 trillion in 2022 and will be the fastest-growing G-20 economy over the next few years, but reform and policy barriers could hamper investment, Moody's said on Tuesday.

In a research report, the US-based rating agency said bureaucracy could slow approval processes in obtaining licences and setting up businesses, prolonging project gestation.

"India's higher bureaucracy in decision-making will reduce its attractiveness as a destination for foreign direct investment (FDI), especially when competing with other developing economies in the region, such as Indonesia and Vietnam," Moody's Investors Service said.

It said a large young and educated workforce, increasing nuclear families and urbanization will fuel demand for housing, cement and new cars.

Government infrastructure spending will bolster steel and cement, while India's net-zero commitment will drive investment in renewable energy, it said.

"While demand across the

manufacturing and infrastructure sectors will grow 3-12 per cent annually for the rest of the decade, India's capacity will still rank well behind China's by 2030," Moody's said.

It said despite the economy's strong potential, there is a risk that the pace of investment in India's manufacturing and infrastructure sectors could slow because of limited economic liberalization or slower policy implementation.

"Lack of certainty around the amount of time needed for land acquisition approvals, regulatory clearances, obtaining licenses and setting up businesses can materially prolong project gestation. Furthermore, India's limited multilateral liberalisation with respect to regional trade agreements will also weigh on foreign investments in the country," it said.

Ongoing efforts by India's government to reduce corruption, formalize economic activity, and bolster tax collection and administration are encouraging, although there are increasing risks to the efficacy of these efforts.

If implemented effectively, measures undertaken over the last few years – including those introduced during the pandemic to increase the flexibility of labour laws, raise agricultural sector efficiency, expand investment in infrastructure, incentivize manufacturing sector investment, and strengthen the financial sector – would lead to higher economic growth, Moody's said.

JioMart fires 1,000 employees, plans more layoffs: Report

NEW DELHI, (Agency). Reliance Industries' e-commerce company JioMart has fired nearly 1,000 employees in the past few days and is reportedly considering further substantial layoffs. The Economic Times, citing officials familiar with the matter, reported that hundreds of employees have been put on performance improvement plans.

The company asked more than 1,000 employees on the ground, including 500 executives at its corporate office, to resign over the past few days. It also plans to have another large round of layoffs with hundreds of

employees already put on a performance improvement plan (PIP), one of the officials to ET.

The report added that the company intends to cut around 10,000 jobs from the wholesale division as part of its cost-cutting measure over the next few weeks. HT could not independently verify the number. The official added that other employees have been put on variable pay and Reliance has lowered their fixed pay salary.

What triggered the sacking

The move came after its recent acquisition of German retailer Metro AG's Indian business - Metro Cash and Carry India Pvt last week. With the addition of the German retailer's 3,500 workforces and acquiring 31 retail stores, the move to slash jobs at home is Reliance's bid to streamline its operations. "With Metro's strength, there will be an overlap of roles both at the backend and online sales operations," an official told ET.

New Delhi

लड़कियों का बनाया फर्जी अकाउंट, शेयर की अश्लील तस्वीरें और मोबाइल नंबर, पुलिस ने पंजाब से दबोचा

नई दिल्ली। अपनी सनक की वजह से पंजाब का एक युवक लड़कियों का फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर उनकी अश्लील फोटो और मोबाइल नंबर सोशल मीडिया पर डालने लगा। शाहदरा जिला पुलिस को एक युवती ने शिकायत की तो पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को पंजाब के कपूरथला के फगवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव भुल्लाराई, फगवाड़ा कपूरथला पंजाब निवासी 30 वर्षीय अमनदीप कुमार के रूप में हुई है।

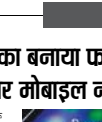

पुलिस आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद करने का प्रयास कर रही है। आरोपी ने ऐसे कितने फर्जी अकाउंट बनाए उसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि पिछले दिनों शाहदरा निवासी एक युवती ने साइबर थाना पुलिस को शिकायत दी थी। पीड़िता ने बताया कि किसी ने उसका इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाकर उसकी अश्लील वीडियो और मोबाइल नंबर पोस्ट कर दिया है। सभी फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उनको अश्लील बनाया गया था। मामला दर्ज कर साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विकास कुमार, इंस्पेक्टर राजीव कुमार व अन्यों की टीम ने छानबीन शुरू की। जिस आईपी एड्रेस से फर्जी अकाउंट बनाया गया था। टीम ने उसकी पड़ताल की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आईपी एड्रेस से लिंक मोबाइल अमनदीप कुमार का है, जो कपूरथला का रहनने वाला है। एक टीम को 19 मई को कपूरथला भेज दिया गया। वहां पुलिस ने आरोपी को दबोच लया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह बेरोजगार है। उसे पोर्न वीडियो देखने की लत है। वह इंस्टाग्राम से किसी भी युवती का फोटो उठाकर उसका अश्लील अकाउंट बना लेता है। युवती की जानकारी उसके अपने ही अकाउंट से उठाई जाती थी। आरोपी ने बताया कि उसे ऐसा करने में मजा आता था। आरोपी कई लड़कियों को इसी तरह फर्जी अकाउंट बना चुका है।

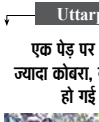

Uttarpradesh

एक पेड़ पर बैठे मिले छह से ज्यादा कोबरा, देखने वालों की गुम हो गई सिट्टी-पिट्टी

बस्ती, (एजेंसी) बरसात के मौसम और जंगलों में सांपों को तो आपने अक्सर देखा होगा लेकिन यूपी के बस्ती में बड़ी संख्या में सांपों की तादात एक पेड़ पर मिली है। पेड़ पर आधा दर्जन से ज्यादा कोबरा बैठे देखे गए हैं। जैसे ही इसकी जानकारी लोगों को हुई तो कुछ लोग वहां सांपों को देखने पहुंचे। पेड़ पर बैठे सांपों को देखकर लोगों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। पेड़ पर बैठे सांप कोबरा प्रजाति के बताए जा रहे हैं। जैसे ही इनके पास कोई जाता है तो ये फुंकार मारने लगते हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र के अजगैवा स्थित जंगल का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार यहां एक पेड़ पर आधा दर्जन से ज्यादा कोबरा देखे गए हैं। ये सांप काफी जहरीले बताए जा रहे हैं।

सांपों की बड़ी संख्या की खबर जब गांव में पहुंची तो ग्रामीणों में भय का माहौल पैदा हो गया है। हालांकि पेड़ पर घूम रहे सांपों का किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया है। ग्रामीणों ने सांप को पकड़ने के लिए रामचरण से संपर्क किया। रामचरण सांप पकड़ने में माहिर बताए जाते हैं। ये अजगवा जंगल के एक पुरवा के रहने वाले हैं, पेशे से होमगार्ड भी हैं और सांपों को पकड़क कर उनका रेस्क्यू करते हैं। पेड़ पर कई कोबरा के मिलने की खबर पाकर रामचरण मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यहां पर बड़ी संख्या में जहरीले सांप रहते हैं। जिन से स्थानीय लोगों को भी खतरा रहता है। हालांकि इस बात की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग व अन्य किसी अधिकारी को नहीं दिया है। अलबत्ता सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है।

Rajasthan

पुलिसकर्मियों ने रुकवाई गाड़ी, तलाशी में कुछ नहीं मिला तो कैटरिंग व्यापारी को बुरी तरह पीटा

राजसमंद, (एजेंसी) राजसमंद जिले की कांकरोली पुलिस ने शनिवार रात सवा 11 बजे गश्त करते समय जेके सर्कल पर केटरिंग व्यापारी की गाड़ी रुकवा ली। इस दौरान तलाशी में गाड़ी से कुछ नहीं मिला तो पुलिसकर्मियों ने अभद्रता करते हुए व्यापारी से सड़क पर मारपीट की। यह घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें पुलिसकर्मी बंदूक के बट से व्यापारी के साथ मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। व्यापारी का आरोप है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे। पीड़ित ने आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिवांश नगर नई आबादी आसोटिया कांकरोली निवासी देवीलाल 35 पुत्र भंवरलाल गुर्जर ने बताया कि वह शादियों में कैटरिंग का काम करता है। शनिवार को नमाणा में एक शादी का कार्यक्रम था, जिसमें उसने कैटरिंग का ठेका लिया। रात 11 बजे वह घर से नमाणा जा रहा था, तभी जेके सर्कल पर पीछे से आ रही पुलिस की गाड़ी ने रुकने का इशारा तो उसने अपनी कार रोक ली।

Uttarakhand

शादीशुदा आदमी की दरिंदगी, पत्नी के सामने नाबालिग छात्रा को बनाया हवस का शिकार; अपहरण कर किया रेप

हल्द्वानी, (एजेंसी) यूपी के रहने वाले एक शादीशुदा आदमी ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। नाबालिग छात्रा के एकतरफा प्यार में पागल शादीशुदा आदमी की पूरी कहानी जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया था। नाबालिग छात्रा का अपहरण करने के बाद आदमी ने उसका रेप तक कर डाला था। हैरानी की बात थी कि आदमी ने अपनी पत्नी के सामने ही पीड़िता नाबालिग छात्रा को अपनी हवस का शिकार बनाया था। अपर सत्र न्यायाधीश स्पेशल जज पॉक्सो नंदन सिंह की अदालत ने नाबालिग छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को दोषी पाते हुए 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। एडीजीसी नवीन चंद्र जोशी ने बताया 23 जुलाई 2020 को काठगोदाम क्षेत्र से कक्षा आठवीं की छात्रा लापता हो गई थी। छात्रा के भाई ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। तीन दिन बाद छात्रा को आरोपी मोहम्मद आलम मिलक रामपुर उप्र के कब्जे से नवालखेड़ा गौलापार से बरामद किया था।

खेल

आईपीएल 2023 क्वालिफायर 1: 10वीं बार फाइनल में पहुंची चैन्नई

GT की बजा डाली बैंड, पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली, (एजेंसी) एमएस धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2023 फाइनल का टिकट कटा लिया है। सीएसके ने रिकॉर्ड 10वीं बार फाइनल में एंट्री की है। चार बार की चैंपियन सीएसके ने मंगलवार को क्वॉलिफायर-1 में गुजरात टाइटंस (जीटी) की बैंड बजाई और 15 रन से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन जीटी को 173 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पूरी टीम 157 पर सिमट गई। जीटी आईपीएल में पहली बार ऑलआउट हुई है। गुजरात के लिए सर्वाधिक रन सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (42) ने बनाए। वहीं, चेन्नई की ओर से दीपक चाहर, महेश तीक्षणा, रविंद्र जडेजा और पथिराना ने दो-दो शिकार किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। ऋद्धिमान साहा 12 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान हार्दिक पांड्या (8) का बल्ला भी नहीं चला। इसके बाद, गिल ने दासुन शनाका (16 गेंदों में 17) के संग तीसरे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी की। शनाका 11वें ओवर में पवेलियन लौटे और जीटी के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। डेविड मिलर (3), विजय शंकर (14) और राहुल तेवतिया कमाल नहीं दिखा पाए। गिल 14वें ओवर में चाहर का शिकार बने। उन्होंने 38 गेदों में 4 चौकों और 1 छक्के के जरिए 42 रन की पारी खेली। जीटी के 6 विकेट 98 के कुल स्कोर पर गिर गए थे। आठवें नंबर पर उतरे राशिद ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए मगर तब तक बात हाथ से निकल गई। दर्शन नालकंडे का खाता नहीं खुला। मोहम्मद शमी ने 5 रन बनाए। नूर अहमद 7 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहसे, चेन्नई ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 172 रन जोड़े। चेन्नई ने दमदार आगाज किया। ऋतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे ने पहले विकेट के लिए 87 रन की पार्टनरशिप की। यह पार्टनरशिप 11वें ओवर में टूटी। गायकवाड़ को दूसरे ओवर में नो-बॉल के चलते जीवनदान मिला था, जिसका उन्होंने जमकर फायदा उठाया। गायकवाड़ ने 44 गेंदों में 60 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 1 छक्का मारा। यह उनका मौजूदा सीजन का चौथा अर्धशतक है। वहीं, कॉनवे फिफ्टी से चूक कए। उन्होंने 34 गेंदों में 4 चौकों की बदौलत 42 रन की पारी खेली। ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए मशहूर शिवम दुबे ने केवल 1 रन बनाया। अजिंक्य रहाणे और अंबाती रायडू ने 17-17 रन की पारी खेली।

सिनेमा

मशहूर टीवी एक्ट्रेस वैभवी उपाध्याय की सड़क दुर्घटना में मौत, सदमे में रूपाली गांगुली, जताया दुख

टीवी इंडस्ट्री से एक बहुत ही शॉकिंग और दुखद खबर सामने आ रही है. पॉपुलर सीरियल 'साराभाई वर्सेज साराभाई' फेम एक्ट्रेस वैभवी उपाध्याय अब नहीं रहीं. एक्ट्रेस की एक सड़क हादसे में मौत हो गई है. एक्ट्रेस के निधन की खबर सामने आते ही टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर है. सेलेब्स समेत फैंस को वैभवी उपाध्याय के अचानक निधन की खबर ने झकझोर कर रख दिया है. जानकारी के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक सड़क हादसे में एक्ट्रेस की मौत हुई है. बताया जा रहा है कि वैभवी उपाध्याय अपने मंगेतर संग कार में ट्रैवल कर रही थीं, लेकिन एक टर्न पर गाड़ी ने कंट्रोल खो दिया और एक्ट्रेस का एक्सीडेंट हो गया. टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली को वैभवी की मौत की खबर से गहरा झटका लगा है. एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वैभवी की फोटो शेयर करके दुख जताया है. रुपाली ने लिखा- इतनी जल्दी चली गईं. इसके अलावा रुपाली ने वैभवी का एक रील वीडियो भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि वो एक्ट्रेस की मौत की खबर पर यकीन नहीं कर पा रही हैं. मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर जेडी मजीठिया ने भी यंग एंड टैलेंटेड वैभवी की मौत पर दुख जताया है. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करके लिखा- यकीन नहीं हो रहा है कि जिंदगी इतनी अनप्रिडिक्टेबल हो सकती है. एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस और खास दोस्त वैभवी उपाध्याय, जिन्हें साराभाई वर्सेज साराभाई की 'जैस्मीन' के रूप में जाना जाता था.

व्हाट्सएप पर भेजे अश्लील फोटो

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने पुलिस को बताया कि दोस्त राहुल पिता महेश शर्मा निवासी परस्पर नगर न्उसके व्हाट्सएप पर गंदे फोटो भेजें मना किया तो जान से मारने की धमकी दी । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उधर, शांति नगर मूसाखेड़ी में रहने वाली किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह सुबह दूध लेने जा रही थी तभी रास्ते में कैलाश चौहान ने रोका व छेड़छाड़ करने लगा शोर मचाया तो धमकी देकर भाग गया । पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मजदूर की मौत में मैनेजर पर केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पंढरीनाथ थाना अंतर्गत नया मेन रोड पर 17 मार्च शाम पाइप लाइन डालने का कार्य किया जा रहा था इसी दौरान चालक अरविंद ने पोकलेन मशीन गड्ढे में डाल दी जिसमें दबने से मजदूर मनोज कुमार पिता नानूराम 32 साल निवासी जवाहर टेकरी की मौत हो गई थी। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक मनोहर सिंह के मुताबिक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था जांच के बाद तपन भारती प्रोजेक्ट के मैनेजर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती प्यार में बदली, नाबालिग हुई गर्भवती

● परिवार ने रिपोर्ट दर्ज कराने से किया इंकार, पुलिस ने की कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नाबालिग लड़की की एक नाबालिग से सोशल मीडिया पर दोस्ती हो गई। दोनों बाद में मिलने लगे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों के बीच शारीरिक संबंध बन गए और नाबालिग गर्भवती हो गई। वह निजी अस्पताल में अबार्शन के लिए पहुंची तो अस्पताल वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस को मामले में कार्रवाई के लिए खासी मशक्कत करना पड़ी। दरअसल नाबालिग के परिजनों ने मामले में केस दर्ज कराने से इनकार कर दिया था।

मामला परदेशीपुरा थाना क्षेत्र का है। टीआई पकंज द्विवेदी ने बताया कि थाना क्षेत्र की रहने वाली करीब 19 साल की किशोरी के गर्भवती होने का मामला उनके समक्ष आया था। नाबालिग के परिजन जब स्कीम नंबर 140 स्थित निजी अस्पताल में उसका अबार्शन कराने पहुंचे तो पुलिस को इसकी सूचना मिली। शुरूआती जांच में पुलिस को जानकारी मिली है कि नाबालिग लड़की और नाबालिग लड़का 2017 में इंस्टग्राम के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी। इसके बाद नाबालिग लड़के का घर पर आना जाना था। नाबालिग लड़की के माता पिता के साथ भी वह कई बार बाहर घूमने गया। लेकिन अचानक जब लड़की की तयीबत खराब हुई तो परिजन उसे अस्पताल ले गए यहां जांच के बाद डाक्टरों ने बताया कि वह गर्भवती है। इस पर वे मंगलवार को उसका अबारशन कराने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। पुलिस को सूचना मिली तो एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और परिजनों से संपर्क किया। इस दौरान नाबालिग लड़की के परिजनों ने किसी तरह की रिपोर्ट लिखाने से इंकार कर दिया। हालांकि मामले में परदेशीपुरा पुलिस ने नाबालिग लड़के के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

बेटी से मिलने आता और वारदात कर भाग जाता था

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम इलाके में रिटायर्ड टीआई की पत्नी पर हमला कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्त में लिया है। उससे हुई पूछताछ में और उसका रिकार्ड खंगालने पर पुलिस को पता चला कि वह पुराना बदमाश है। मूल रुप से रायसेन का रहने वाले आरोपी की बेटी इंदौर में है। वह जब भी बेटी से मिलने इंदौर आता था वारदात कर रायसेन भाग जाता था। स्कीम 51 में रहने वाली रिटायर्ड टीआई सूर्यकांत तिवारी की पत्नी कमला तिवारी प्रतिदिन तरह सोमवार को भी मार्निंग वाक पर निकली थी। जब वे सुनसान रास्ते से गुजर रही थी तभी अज्ञात आरोपी ने उन पर हमला कर उनके कान के टाप्स और सोने के झुमके लूट लिए और फरार हो गया। घायल कमला तिवारी को गंभीर चोटें लगी हैं। महिला बयान देने की हालत में नहीं थी। परिजनों के बयान के आधार पर लूट और प्राणघातक हमले का केस दर्ज किया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु की करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद एक संदिग्ध दिखाई दिया पुलिस ने उसकी तलाश कर गिरफ्तार कर लिया।

एरोड्रम थाने की प्रभारी टीआई सब इंस्पेक्टर कल्पना चौहान ने बताया कि पकड़ाए आरोपी का नाम धर्मेंद्र पिता लक्ष्मीनारायण निवासी मंडीदीप रायसेन है। उसका रिकार्ड खंगालने पर उसके खिलाफ कई केस दर्ज मिले हैं। धर्मेंद्र की बेटी इंदौर में है,वह जब भी बेटी से मिलने आता है यहां चोरी-लूट की वारदातों को अंजाम देता है और रायसेन फरार हो जाता है। उससे कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। उससे पूछताछ की जा रही है।

सूने मकानों की रेकी कर करते थे चोरी

दो नकबजनों से दो लाख का माल बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **हीरानगर नगर पुलिस ने दो नकबजनों को गिरफ्तार कर इनके पास से चोरी का दो लाख रुपए का माल बरामद किया है। पुलिस को आरोपियों का सीसीटीवी फुटेज से सुराग मिला था। आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि वे सूने मकानों की रेकी करने के बाद चोरी करते थे।**

पुलिस के अनुसार 7 अप्रैल को सरिता वर्मा निवासी भोलेनाथ धाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कि 6 अप्रैल को दोपहर दो से पांच के बीच मै घर से कथा सुनने के लिये बाहर गयी थी। जब वापस घर आकर देखा तो घर की खिड़की खुली हुई थी एवं घर के अंदर लोहे की अलमारी का ताला टूटा हुआ था। अलमारी में सोने का हार, पायल, नगदी एवं अन्य सामग्री नहीं थी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और इसमें दिखाई दे रहे संदेही को पकड़कर उससे पूछताछ की। पहले तो उसके द्वारा टाल मटोल कर घटना के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गयी एवं लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा किन्तु मनोवैज्ञानिक तरीके से विस्तृत पूछताछ करने पर आरोपी ने भोलेनाथ धाम स्थित मकान के घर की लोहे की अलमारी से सोने एवं चांदी के जेवर अपने अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी करना कबूला। पुलिस ने दोनों आरोपियों भाई साहब सिंह चौहान निवासी गौरी नगर एवं पुरूषोत्तम चौहान,रामनगर को गिरफ्तार कर उनसे दो लाख रुपए के जेवर बरामद कर लिए हैं।

लाखों की धोखाधड़ी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **किशनगंज थाना क्षेत्र में महिला के साथ महिला ने रुपए डबल करने का झांसा देकर लाखों रुपए हड़प लिए। फरियादी जेनब पति अतहर मोहम्मद खान निवासी ग्राम उमरिया की रिपोर्ट पर आरोपी जीन त पति साजिद हुसैन निवासी उमरिया के खिलाफ धारा 420 और 406 का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि फरियादी जेनब को रुपए डबल करने का झांसा देकर आरोपी जीनत ने 35 लाख रुपए हड़प लिए।**

लोन के नाम पर ठगा

फरियादी कृष्णा बिहारी पिता लालाराम निवासी ग्राम भवरासला की रिपोर्ट पर आरोपी दीप नारायण तिवारी निवासी रीवा के खिलाफ बाणगंगा पुलिस ने धारा 420 का प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी कृष्ण बिहारी ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने 2 जनवरी को 40 हजार रुपए का पोस्टपेड लोन के नाम पर धोखाधड़ी की।

व्यापारी के साथ धोखाधड़ी

उधर, फरियादी भारत पिता राजकुमार जैन निवासी आशीष कॉलोनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका पंजाब नेशनल बैंक की मनोरमागंज शाखा में खाता है । उसके मुताबिक उसके खाते से आरोपी रामकुमार सुरेंद्र निवासी फैजाबाद उत्तर प्रदेश ने दो बार में 20 हजार और 25 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। तिलक नगर पुलिस ने आरोपी रामकुमार सुरेंद्र के खिलाफ धारा 420 का केस दर्ज किया है ।

युवक ने की खुदकुशी

● जिम ट्रेनर ने भी दी जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टा खेलने वाले एक युवक ने सुसाइड कर लिया। बताते हैं कि युवक पर कर्जा हो गया था जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। मृतक का नाम नरेंद्र लखानी 40 साल है। पुलिस के मुताबिक नरेंद्र ऑनलाइन सट्टे का कारोबार करता था जिसमें उसने लाखों रुपए गवा दिए और इसके चलते हैं वह कर्ज में फंस गया। कर्जदार उसे पैसे के लिए परेशान करने लगे इसी के चलते उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने नरेंद्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच कर रही है। इसी प्रकार एक जिम ट्रेनर ने मंगलवार रात आत्महत्या कर ली । मृतक का नाम अविनाश मेहता है। परिवार की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। कमरे की जांच के दौरान सुसाइड नोट भी मिला है।

10 हजार का इनामी आरोपी पकड़ाया

इंदौर। क्राइम की टीम ने विजयनगर में घर में घुसकर नकबजनी की वारदात करने वाले फरार 10 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से टीम को सूचना मिली थी कि विजयनगर में दर्ज चोरी का आरोपी शहर में देखा गया है। ये लंबे समय से फरार है और इस पर दस हजार का इनाम भी घोषित है। टीम ने मुखबिर के बताए स्थान पर छापा मारकर घेराबंदी कर फरार इनामी आरोपी जीतू उर्फ छीतू बघेल , नंदबाग कालोनी को पकड़ा। इसे विजयनगर पुलिस को सौंप दिया गया है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।